प्रकाशन : 4/2015

जैविक दुग्ध की महत्ता

प्रो. (डॉ.) बसन्त बैस
आचार्य एवं प्रमुख अन्वेषक
डॉ. विजय कुमार
सहायक आचार्य

RAJASTHAN UNIVERSITY OF VETERINARY AND ANIMAL SCIENCES
राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय
BIKANER

।। पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम् ।।

जैविक पशुधन उत्पाद तकनीक केन्द्र

राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

जैविक पशुपालन की निर्धारित रीतिओं से पाले गए पशुओं से प्राप्त दुग्ध को जैविक दुग्ध कहते है। यह दुग्ध सभी प्रकार की संश्लेषित रासायनिक खाद, कीटनाशक, पीड़कनाशी, एंटीबायोटिक, वृद्धि हार्मोन्स, सभी एलोपेथिक दवाओं, फीड अडिटिवेस, रासायनिक संरक्षक सहित अन्य सभी संश्लेषित रासायनों से पूर्णतः मुक्त होता है।

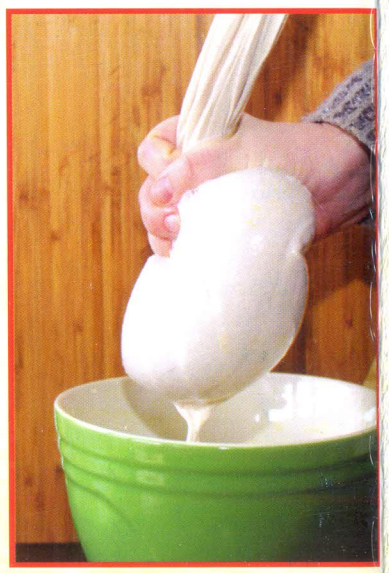

सामान्य दुग्ध में उपरोक्त वर्णित रासायनिक पदार्थो के अवशेष पाये जाते है जिनके हमारे शरीर में पहुंचने से कैंसर, एलर्जी, चर्म रोग, स्नायु तंत्र, पाचन तंत्र सम्बन्धी कई महत्व पूर्ण बीमारियां हो जाती है तथा प्रतिरक्षा तंत्र में कमजोरी आने के कारण कई अन्य बीमारियां लगने की संभावना भी रहती है। दुग्ध हमारे भोजन का एक मुख्य घटक है जो कि शरीर के स्वस्थ व पूर्ण विकास के लिए अति आवश्यक है। जैविक दुग्ध सामान्य दुग्ध की अपेक्षा कहीं अधिक पौष्टिक व स्वास्थयवर्धक होता है जैविक दुग्ध में सामान्य दुग्ध की अपेक्षा 71 प्रतिशत अधिक ओमेगा–3 फेटी एसिड होता है जो कि शरीर के स्वस्थ विकास के लिए आवश्यक है तथा हमें विभिन्न रोगों जैसे की हृदय रोग, कैंसर रोग, गठिया, त्वचा की सूजन सम्बन्धी बीमारियों को कम करने में मदद करता है साथ ही इस दुग्ध में अधिक मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट व विटामिन्स होते है। जो शरीर की स्वस्थ वृद्धि के लिए आवश्यक है।

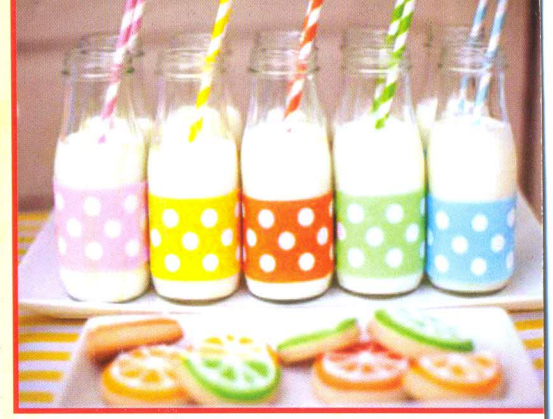

जैविक दुग्ध के फायदेः-

1. जैविक दुग्ध में हमारें शरीर के लिए आवश्यक वसा अम्ल की मात्रा सामान्य दुग्ध से अधिक होती है साथ ही इस दुग्ध में संयुग्मी लिनोलिक अमल अधिक मात्रा में होता है जो हमारे शरीर को कैंसर से लड़ने में मदद करता है व पेट पर जमा होने वाली वसा की मात्रा को कम करके माटापे से छुटकारा दिलाता है।
2. इस दुग्ध में हमारे शरीर के लिए आवश्यक सूक्ष्म जीवों की मात्रा भी पर्याप्त होती है जो हमारी आहार नाल को स्वस्थ बनाकर पाचन शक्ति को बढ़ाते है।
3. इस दुग्ध में 60 से ज्यादा पाचक एंजाइम, वृद्धि हार्मोन व एंटीबाडीज होती है जो हमारी पाचन क्षमता को बढ़ाने के साथ–साथ शरीर को रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करते है।
4. इस दुग्ध में आवश्यक एमिनों अमल व उच्च गुणवत्ता की प्रोटीन पायी जाती है जिसका 100 प्रतिशत पाचन होता है।
5. इस दुग्ध में आवश्यक सभी विटामिन्स, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी, विटामिन डी आदि पाये जाते हैं साथ ही खनिज लवण, कैल्शियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम आदि भी उपयुक्त मात्रा में पाये जाते है।
6. इस दुग्ध के उत्पादन के लिए पशुओं को प्राकृतिक खाद्य पदार्थ खिलाये जाते है अतः ये दुग्ध सभी प्रकार के संश्लेषित रासायनिक पदार्थों, एंटीबायोटिक्स, एलोपैथिक दवाइयों, वृद्धि व प्रजनन हार्मोनों के अवशेषों से पूर्णतः मुक्त होता है ज़िससे इन रासायनिक पदार्थों से होने वाली सभी बीमारियों से बचा जा सकता है।

-: तकनीकी मार्गदर्शन हेतु आभार :-

प्रो. (डॉ.) कर्नल ए. के. गहलोत
कुलपति
राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

प्रो. बी. के. बेनीवाल
अधिष्ठाता
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

-:: सम्पर्क सूत्र ::-

प्रो. बसंत बैस
डॉ. विजय कुमार
9828122277
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय
राजूवास, बीकानेर

Under COAPT SP (29) Project

Centre for Organic Animal Product Technology

मुद्रक : डायमंड प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनरी, बीकानेर # 9784105819